19. भारत की कृषि

- भारत के कुल क्षेत्रफल का लगभग 52% भाग पर कृषि, 4% भू-भाग पर चरागाह, लगभग 21% भूमि पर वन एवं 24% भूमि बंजर तथा बिना उपयोग की है।
- देश की कुल श्रम शक्ति का लगभग 52% भाग कृषि एवं इससे संबंधित उद्योग-धन्धों से अपनी आजीविका चलाता है। **2011-12** में भारत के सकल घरेलू उत्पाद में कृषि का योगदान **13.9** % है।
- 2004-05 में भारत के निर्यात में कृषि और उससे संबंधि त वस्तुओं का अनुपात लगभग 40% है। (14.7% कृषि पदार्थ एवं 25% कृषि से निर्मित वस्तुएं यथा, पटसन एवं कपड़ा)
- विश्व में चावल उत्पादन में चीन के बाद भारत का दूसरा स्थान है। भारत में खाद्यान्नों के अन्तर्गत आनेवाले कुछ क्षेत्र के 47% भाग पर चावल की खेती की जाती है।
- विश्व में गेहूं उत्पादन में चीन के बाद भारत का दूसरा स्थान है। देश की कुल कृषि योग्य भूमि के लगभग 15% भाग पर गेहूं की खेती की जाती है।
- देश में गेहूं के उत्पादन में उत्तर प्रदेश का प्रथम स्थान है, जबकि प्रति हेक्टेयर उत्पादन में पंजाब का स्थान प्रथम है।
- हरित क्रांति का सबसे अधिक प्रभाव गेहूं और चावल की कृषि पर पड़ा है, परन्तु चावल की तुलना में गेहूं के उत्पादन में अधिक वृद्धि हुई।
- भारत में हरित क्रांति (Green revolution) लाने का श्रेय डॉ. एम.एस. स्वामीनाथन को जाता है। भारत में हरित क्रांति की शुरुआत 1966-67 ई. में हुई।
- प्रथम हरित क्रांति के बाद 1983-84 ई. में द्वितीय हरित क्रांति की शुरुआत हुई, जिसमें अधिक अनाज उत्पादन, निवेश एवं कृषकों की दी जाने वाली सेवाओं का विस्तार हुआ।
- तिलहन प्रौद्योगिकी मिशन की स्थापना 1986 ई. में हुई।
- भारत विश्व में उर्वरकों का तीसरा सबसे बड़ा उत्पादक और उपभोक्ता देश है।
- पोटाशियम उर्वरक का पूरी तरह आयात किया जाता है।
- आम, केला, चीकू, खट्टे, नींबू, काजू, नारियल, काली मिर्च, अदरक, हल्दी के उत्पान में भारत का स्थान विश्व में पहला है।

	फसल	प्रमुख उत्पादक राज्य
1.	चावल	पं. बंगाल, उत्तर प्रदेश, आन्ध्र प्रदेश, बिहार एवं पंजाब।
2.	गेहूं	उत्तर प्रदेश, पंजाब, हरियाणा, बिहार, मध्य प्रदेश एवं राजस्थान।
3.	ज्वार	महाराष्ट्र, कर्नाटक, मध्य प्रदेश एवं आन्ध्र प्रदेश।
4.	बाजरा	गुजरात, राजस्थान एवं उत्तर प्रदेश।
5.	दलहन	मध्य प्रदेश, उत्तर प्रदेश, पंजाब, हरियाणा, राजस्थान, बिहार, पं. बंगाल, गुजरात एवं आन्ध प्रदेश
6.	तिलहन	गुजरात, मध्य प्रदेश, बिहार, उत्तर प्रदेश, राजस्थान, पं बंगाल एवं उड़ीसा।
7.	जौ	उत्तर प्रदेश, राजस्थान, बिहार एवं पंजाब।
8.	गन्ना	उत्तर प्रदेश, महाराष्ट्र, तमिलनाडु, कर्नाटक, हरियाणा एवं पंजाब।
9.	मुंगफली	गुजरात, आन्ध्र प्रदेश, तमिलनाडु, कर्नाटक, महाराष्ट्र एवं मध्य प्रदेश।
10.	चाय	असम, प. बंगाल, तमिलनाडु, केरल, त्रिपुरा, कर्नाटक एवं हिमाचल प्रदेश।
11.	कहवा	कर्नाटक, तमिलनाडु, केरल, आन्ध्र प्रदेश एवं महाराष्ट्र।
12.	कपास	महाराष्ट्र, गुजरात, मध्य प्रदेश, पंजाब, कर्नाटक, हरियाणा, राजस्थान, तमिलनाडु एवं आन्ध्र प्रदेश।
13.	रबड़	केरल, तमिलनाडु, कर्नाटक, असम एवं अंडमान निकोबार द्वीप-समूह।
14.	पटसन	प. बंगाल, बिहार, असम, उड़ीसा एवं उत्तर प्रदेश।
15.	तम्बाकू	आन्ध्र प्रदेश, गुजरात, बिहार, उत्तर प्रदेश, महाराष्ट्र, पंश्चिम बंगाल एवं तमिलनाडु।
16.	काली मिर्च	केरल, कर्नाटक, तमिलनाडु, महाराष्ट्र एवं बिहार।
17.	हल्दी	आन्ध्र प्रदेश, उड़ीसा, तमिलनाडु, महाराष्ट्र एवं बिहार।
18.	काजू	केरल, महाराष्ट्र एवं आन्ध्र प्रदेश।

ऋतुओं के आधार पर फसलों का वर्गीकरण

1. **रबी की फसल:** यह अक्टूबर-नवम्बर में बोयी जाती है और मार्च-अप्रैल में काट ली जाती है। इसकी मुख्य फसलें हैं- गेहूं, जौ, चना, मटर, सरसों, आलू, राई आदि।
2. **खरीफ फसल:** यह जून-जुलाई में बोयी जाती है, और नवम्बर-दिसम्बर में काट ली जाती है। इसकी मुख्य फसलें है- धान, गन्ना, तिलहन, ज्वार, बाजरा, मक्का, अरहर आदि।
3. **जायद फसल:** यह अप्रैल-मई-जून में बोयी जाती है। इसकी मुख्य फसलें हैं-तरबूज, खरबूजा, ककड़ी इत्यादि।

भारत में सिंचाई

- भारत में सिंचाई परियोजनाओं को तीन प्रकार से विभाजित किया जाता है। ये हैं-
  1. वृहत् सिंचाई परियोजना
  2. मध्यम सिंचाई परियोजनां एवं
  3. लघु सिंचाई परियोजना
- वृहत् सिंचाई परियोजना के अन्तर्गत वे परियोजनाएं सम्मिलित की जाती है, जिसके अन्तर्गत 10,000 हेक्टेयर से अधिक कृषि योग्य भूमि हो।
- मध्यम सिंचाई परियोजना के अन्तर्गत वे परियोजनाएं सम्मिलित की जाती है, जिसके अन्तर्गत 2,000 से 10,000 हेक्टेयर कृषि योग्य भूमि हो।
- लघु सिंचाई परियोजना के अन्तर्गत वे परियोजनाएं सम्मिलित की जाती हैं, जिसके अन्तर्गत 2,000 हेक्टेयर से कम कृषि योग्य भूमि हो।
- वर्तमान समय में भारत की कुल सिंचित क्षेत्र का 37% बड़ी एवं मध्यम सिंचाई परियोजना के अधीन है।
- वर्तमान समय में भारत की कुल सिंचित का 63% छोटी सिंचाई योजनाओं के अधीन है।
- विश्व का सर्वाधिक सिंचित क्षेत्र चीन (21%) में है।
- विश्व का दूसरा सर्वाधिक सिंचित क्षेत्र भारत (20.2%) में है।
- भारत में शुद्ध बोए गए क्षेत्र (1360 लाख हेक्टेयर) के लगभग 33% भाग पर सिंचाई की सुविधा उपलब्ध है।
- वर्तमान समय कुआं और नलकूप भारत में सिंचाई का प्रमुख साधन है।
- प्रायद्वीपीय भारत में सिंचाई का प्रमुख साधन तालाब है। तालाब द्वारा सर्वाधिक सिंचाई तमिलनाडु राज्य में की जाती है।

भारत के विभिन्न भागों में स्थानान्तरित कृषि को अलग-अलग निम्नवत नामों से जाना जाता है:

झुम	उत्तर पूर्वी भारत
दीपा	बस्तर जिला (छतीसगढ़)
पोडू	आन्ध्र प्रदेश
कुमारी	केरल में पश्चिमी घाट के पर्वतीय क्षेत्र
बत्रा	दक्षिणी-पूर्वी राज स्थान
कमान, विंगा व धावी	उड़ीसा